मेहर चालीसा

॥ दोहा॥

मूर्ति स्वयंभू शारदा, मैहर आन विराज ।
माला, पुस्तक, धारिणी, वीणा कर में साज ॥

॥ चौपाई ॥

जय जय जय शारदा महारानी,
आदि शक्ति तुम जग कल्याणी।
रूप चतुर्भुज तुम्हरो माता,
तीन लोक महं तुम विख्याता॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

दो सहस्त्र वर्षहि अनुमाना,
प्रगट भई शारदा जग जाना ।
मैहर नगर विश्व विख्याता,
जहाँ बैठी शारदा जग माता॥

त्रिकूट पर्वत शारदा वासा,
मैहर नगरी परम प्रकाशा ।
सर्द इन्दु सम बदन तुम्हारो,
रूप चतुर्भुज अतिशय प्यारो॥

कोटि सुर्य सम तन द्युति पावन,
राज हंस तुम्हरो शचि वाहन।
कानन कुण्डल लोल सुहवहि,
उर्मणी भाल अनूप दिखावहिं ॥

वीणा पुस्तक अभय धारिणी,
जगत्मातु तुम जग विहारिणी।
ब्रह्म सुता अखंड अनूपा,
शारदा गुण गावत सुरभूपा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

हरिहर करहिं शारदा वन्दन,
वरुण कुबेर करहिं अभिनन्दन ।
शारदा रूप कहण्डी अवतारा,
चण्ड-मुण्ड असुरन संहारा ॥

महिषा सुर वध कीन्हि भवानी,
दुर्गा बन शारदा कल्याणी।
धरा रूप शारदा भई चण्डी,
रक्त बीज काटा रण मुण्डी॥

तुलसी सुर्य आदि विद्वाना,
शारदा सुयश सदैव बखाना।
कालिदास भए अति विख्याता,
तुम्हरी दया शारदा माता॥

वाल्मीकी नारद मुनि देवा,
पुनि-पुनि करहिं शारदा सेवा।
चरण-शरण देवहु जग माया,
सब जग व्यापहिं शारदा माया॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अणु-परमाणु शारदा वासा,
परम शक्तिमय परम प्रकाशा।
हे शारद तुम ब्रह्म स्वरूपा,
शिव विरंचि पूजहिं नर भूपा॥

ब्रह्म शक्ति नहि एकउ भेदा,
शारदा के गुण गावहिं वेदा।
जय जग वन्दनि विश्व स्वरूपा,
निर्गुण-सगुण शारदहिं रूपा॥

सुमिरहु शारदा नाम अखंडा,
व्यापइ नहिं कलिकाल प्रचण्डा।
सुर्य चन्द्र नभ मण्डल तारे,
शारदा कृपा चमकते सारे॥

उद्भव स्थिति प्रलय कारिणी,
बन्दउ शारदा जगत तारिणी।
दु:ख दरिद्र सब जाहिंन साई,
तुम्हारीकृपा शारदा माई॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

परम पुनीत जगत अधारा,मातु,
शारदा ज्ञान तुम्हारा।
विद्या बुद्धि मिलहिं सुखदानी,
जय जय जय शारदा भवानी॥

शारदे पूजन जो जन करहिं,
निश्चय ते भव सागर तरहीं।
शारद कृपा मिलहिं शुचि ज्ञाना,
होई सकल्विधि अति कल्याणा॥

जग के विषय महा दु:ख दाई,
भजहुँ शारदा अति सुख पाई।
परम प्रकाश शारदा तोरा,
दिव्य किरण देवहुँ मम ओरा॥

परमानन्द मगन मन होई,
मातु शारदा सुमिरई जोई।
चित्त शान्त होवहिं जप ध्याना,
भजहुँ शारदा होवहिं ज्ञाना॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

रचना रचित शारदा केरी,
पाठ करहिं भव छटई फेरी।
सत् - सत् नमन पढ़ीहे धरिध्याना,
शारदा मातु करहिं कल्याणा॥

शारदा महिमा को जग जाना,
नेति-नेति कह वेद बखाना।
सत् - सत् नमन शारदा तोरा,
कृपा द्रष्टि कीजै मम ओरा॥

जो जन सेवा करहिं तुम्हारी,
तिन कहँ कतहुँ नाहि दु:खभारी ।
जोयह पाठ करै चालीस,
मातु शारदा देहुँ आशीषा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ दोहा ॥
बन्दऊँ शारद चरण रज,
भक्ति ज्ञान मोहि देहुँ।
सकल अविद्या दूर कर,
सदा बसहु उर्गेहुँ।
जय-जय माई शारदा,
मैहर तेरौ धाम ।
शरण मातु मोहिं लिजिए,
तोहि भजहुँ निष्काम ॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- चामुंडा देवी
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा
- वीरभद्र चालीसा
- मनसा देवी

- कैला चालीसा
- नरसिंह चालीसा
- ज्वाला चालीसा
- नैना देवी चालीसा
- जीण चालीसा
- कुबेर चलीसा
- चित्रगुप्त चालीसा
- गोलू चालीसा
- जीण चालीसा
- झूलेलाल चालीसा
- करणी चालीसा
- यमुना चालीसा
- मेहर चालीसा
- कामाख्या चालीसा
- सत्य साई चालीसा

हिन्दीपथ.कॉम